www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 10 || लखनऊ
शुक्रवार
10 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:48
सूर्यास्तः 06:28
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 03

विशेष समाचार
ईरान अमेरिका इजराइल युद्ध में.... >> पेज 02
मंदिर की दीवार ढही, 3-माह का... >>पेज 04
प्रियंका चोपड़ा-महेश बाबू की ...

असम में चुनावी हिंसा में 30 घायल, पुडुचेरी में भी कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म

मतदान

असम, केरल और पुडुचेरी में शाम 6 बजे मतदान समाप्त

शाम 5 बजे तक वोटिंग प्रतिशत

- असम : 85.38%
- केरल : 78.01%
- पुडुचेरी : 89.81%

असमः 126 सीटें, 722 उम्मीदवार, 41 पार्टियां
केरलः 140 सीटें, 2.71 करोड़ वोटर, 890 उम्मीदवार
पुडुचेरीः 30 सीटों पर मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम CM रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे।यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई। केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है। पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

महिला बोली- मैं अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करने आई हूं

असम के दिमा हसाओ में महिला वोटर ने कहा- मैं यहां अपने वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल करने आई हूं। मेरा मानना है कि हमें उस उम्मीदवार को वोट देना चाहिए जो हमारे इलाके को आगे बढ़ा सके, सही मंचों पर हमारी आवाज उठा सके, हमारी जमीन और अधिकारों की रक्षा कर सके, हमारे अनुसूचित क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके, और हमारे इलाके को विकास की राह पर ले जा सके। केरलम के गवर्नर राजेंद्र आर्लेकर ने त्रिशूर में वोट डाला।

पुडुचेरी के मन्नादिपेट इलाके में एक पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हो गई। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

गौरव गोगोई बोले- चुनाव के बाद एक शक्तिशाली और नया असम उभरेगा

जोरहाट (असम) में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपना वोट डाला और कहा कि चुनाव के बाद एक शक्तिशाली, निडर, आत्मविश्वासी और नया असम उभरेगा। जोरहाट के डीसीबी एलपी स्कूल में अपनी मां डॉली गोगोई के साथ वोट डालने के बाद पत्रकारों से उन्होंने कहा कि राज्य में नई सरकार सभी लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगी।आज असम के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। लोग असम के भविष्य में निर्णायक भूमिका निभाने जा रहे हैं।

हॉकी प्लेयर श्रीजेश ने परिवार के साथ वोट डालने वाले तस्वीर शेयर की।

असम के लुमडिंग सीट से भाजपा उम्मीदवार सिबू मिश्रा ने कहा- असम की जनता ने यह स्वीकार कर लिया है कि तीसरी बार असम में सरकार बनेगी। और मैं लुमडिंग से भाजपा का उम्मीदवार हूं। जनता के आशीर्वाद से तीसरी बार सरकार बनेगी।

केरलमः सीपीएम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा केंद्र ने महिला आरक्षण लाने में देर की

CPM सांसद जॉन ब्रिटास बोले- यह साफ है कि लेफ्ट फ्रंट फिर से सत्ता में आएगा। लोगों का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस बार सरकार का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। लेफ्ट फ्रंट हमेशा से महिला आरक्षण का समर्थन करता रहा है। प्रधानमंत्री को यह सोचना चाहिए कि इतना देर क्यों हुई। अब वे पहले वाले बिल की कमियों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।

पुडुचेरी में मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का फूलों से स्वागत किया।

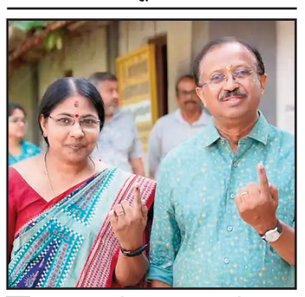

कझाकूटम सीट से NDA उम्मीदवार V. मुरलीधरन ने वोट डाला।

पूर्व इजराइली आर्मी चीफ का फोन हैक

ईरानी हैकर्स ने फैमिली फोटोज और सीक्रेट मीटिंग्स की तस्वीरें वायरल की

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान से जुड़े हंदाला हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि उसने इजराइली सेना के पूर्व प्रमुख हर्जी हलेवी के फोन और दूसरे डिवाइस हैक किए थे। हैकर ग्रुप का कहना है कि वह कई सालों से चुपचाप उनके सिस्टम में घुसा था। इस दौरान उसने हजारों फोटो और वीडियो इकट्ठा किए। उसे इजराइल की सीक्रेट मीटिंग, सेना के ठिकाने और कई अहम अंदरूनी जानकारी मिलती रहीं। ग्रुप ने कुछ फोटो और वीडियो जारी किए हैं। इनमें हलेवी अलग-अलग सैन्य ठिकानों पर जाते, मीटिंग करते और अधिकारियों से बात करते दिखते हैं। कुछ तस्वीरें उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी हैं, जिनमें परिवार की फोटो और पहचान पत्र जैसी चीजें शामिल हैं। इन लीक में कुछ ऐसी मुलाकातें सामने आई हैं जिनके बारे में पहले सार्वजनिक जानकारी नहीं थी, जैसे जॉर्डन और कतर में हुई बैठकें। हालांकि, अभी तक इस मामले पर इजराइली सेना और हलेवी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

टीएमसी राज में मां-मानुष डरे हुए : मोदी

कहा- 4 मई के बाद गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 3 चुनावी रैलियां कीं। उन्होंने बीरभूमि में कहा, 'हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है।' उन्होंने कहा, 'गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन TMC के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। TMC ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था।' उन्होंने कहा कि आपने TMC पर विश्वास किया था, लेकिन TMC ने बंगाल में बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं हैं। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब TMC का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

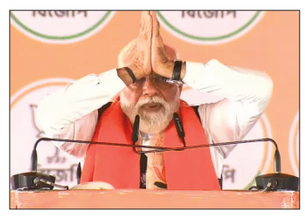

फास्ट न्यूज

घायल मां से 3 दिन बच्चों की मौत छिपाई

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंगलाओबी में 6 अप्रैल की आधी रात एक घर पर बम से हमला हुआ। इसमें 5 साल के बेटे और 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उनकी मां बिनाता ओइनाम गंभीर रूप से घायल हो गईं। अस्पताल में भर्ती बिनाता तीन दिन तक अपने बच्चों के बारे में पूछती रहीं। परिवार के लोग उनकी हालत को देखते हुए सच्चाई छिपाते रहे।

भारत से पहली क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक सर्जरी

मुंबई। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉक्टर टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर ओमान के मस्कट के मेडिकल सिटी अस्पताल में 55 साल की महिला का रोबोटिक किडनी ऑपरेशन किया। यह क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी भारत से पहली बार मानी जा रही है। वेस्ट एशिया में जारी जंग के बीच मुंबई से यह सर्जरी एडवांस्ड 'मेडबॉट ट्युमाई' रोबोटिक सिस्टम और रियल-टाइम कनेक्टिविटी के जरिए की गई। डॉक्टर ने दूर बैठकर पूरे ऑपरेशन को कंट्रोल किया और सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की।

अप्रैल में रिकॉर्ड ठंड, 23 साल का रिकॉर्ड

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल में ठंड ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। बीती रात को शिमला का न्यूनतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री नीचे गिरने के बाद 3.6 डिग्री सेल्सियस रह गया है। इससे पहले, 22 अप्रैल 2021 को शिमला का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री टेंपरेचर जरूर था। मौसम विभाग (IMD) के पास 2003 से आज तक का डाटा उपलब्ध है।

हड़ताली कर्मचारियों पर हुई लाठीचार्ज

एक का सिर फूटा-20 घायल, पुलिस की बाइक फूंकी-गाड़ी तोड़ी

पुलिस के आते ही भगदड़ मच गई। पुलिस ने कर्मचारियों को प्रदर्शन करते हुए खदेड़ा।

तमसा संकेत, एजेंसी

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बावजूद वीरवार को हजारों की संख्या में हड़ताली कर्मचारी जुट गए। जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस लाठीचार्ज किया। जिससे मामला भगदड़ की स्थिति बन गई। इस दौरान 20 से ज्यादा कर्मचारियों को चोटें आई हैं। एक के सिर पर गहरा जख्म है। काफी खून बहने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक महिला बेहोश हो गई।

इससे भड़के हड़तालियों ने पुलिस की एक बाइक फूंक दी और गाड़ी पर पथराव किया, जिससे फ्रंट और बैक के शीशे टूट गए। एक पुलिसकर्मी से महिलाओं ने लाठी भी छीनने की कोशिश की गई। इस पर पुलिस कर्मियों की महिलाओं से नोकझोंक और खींचतान भी हुई। कई घंटे तक झड़प चलती रही।

>> (शेष पेज 04 पर)

मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा : सुप्रीम कोर्ट

इससे हिंदू धर्म को नुकसान, केंद्र ने कहा- धार्मिक मामलों में अदालतों का दखल ठीक नहीं

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे शृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा। उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की।

केंद्र सरकार के 4 तर्क

- अगर कोई मंदिर सिर्फ अपने समुदाय के लोगों के लिए रखना चाहता है, तो उन्हें सरकार या आम जनता से फंड (पैसा/दान) नहीं लेना चाहिए। अगर आप दूसरों को बाहर रखते हैं, तो उनसे मदद भी नहीं ले सकते।
- अगर सिर्फ आर्टिकल 26(b) के आधार पर देखें, तो मंदिर में प्रवेश से जुड़ा कानून गलत हो सकता है। धार्मिक संस्था को यह अधिकार है कि कौन मंदिर में आएगा, यह वह खुद तय करे। अगर प्रवेश या पूजा धार्मिक नियमों से तय होता है, तो यह धर्म का हिस्सा है। जबरन एंट्री कराने वाला कानून इस अधिकार का उल्लंघन है।
- केरल में पुर्तगालियों ने सीरियन ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को कैथोलिक बनाने की कोशिश की। आयरलैंड में ब्रिटिश शासन के दौरान कैथोलिकों के साथ भेदभाव होता था। ऐसे धार्मिक विवाद संवेदनशील होते हैं, इसलिए अदालतें आमतौर पर हस्तक्षेप नहीं करतीं।
- अगर मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जा रहा है और कोई मांसाहारी भोजन चाहता है, तो वह किसी संप्रदाय से यह नहीं कह सकता कि यह उसका अधिकार है और उसे वही परोसा जाए।

सुप्रीम कोर्ट के 3 तर्क

मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे शृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

आर्टिकल 17 (छुआछूत खत्म करना) बहुत ताकतवर प्रावधान है। यह सिर्फ कानून के तहत अपराध नहीं है, बल्कि संविधान इसे अपराध घोषित करता है। यह कानूनी ही नहीं, संवैधानिक स्तर पर भी गंभीर मामला है।

अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है, तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर असर नहीं पड़ेगा।

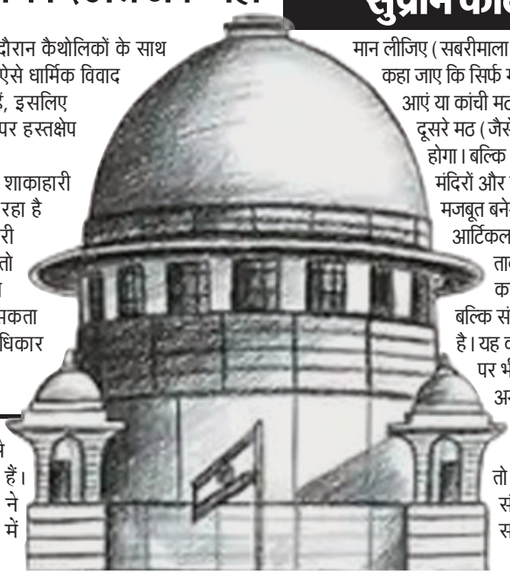

हुमायूं कबीर की बीजेपी से 1000 करोड़ की डील

वायरल वीडियो में पीएमओ का जिक्र, कहा- डिप्टी सीएम बनूंगा, टीएमसी बोली- ईडी चुप क्यों

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के चेयरमैन हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो से विवाद खड़ा हो गया है। इसमें वे बीजेपी नेताओं के साथ ₹1000 करोड़ की डील पर चर्चा कर रहे हैं। 19 मिनट के वीडियो में हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि वे ममता बनर्जी को किसी भी कीमत पर सत्ता से हटाना चाहते हैं। अगर उनकी 60-70 सीटें आ गईं तो वे डिप्टी सीएम भी बन सकते हैं। हालांकि, संवाददाता इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। TMC के कुणाल घोष ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस वीडियो का जिक्र कर कहा कि हुमायूं सुवेंदु अधिकारी, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के करीबी हैं। घोष ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) चुप क्यों है। उसे इस मामले की जांच करनी चाहिए। बीजेपी ने हुमायूं के जरिए मतुआ, हिंदुओं और मुसलमानों को बेवकूफ बनाने के लिए 'B टीम' और 'C टीम' बनाई है। बंगाल

हुमायूं कबीर ने संवाददाता को बताया, 'ये आरोप पूरी तरह फेक हैं। ये वीडियो एआई से बनाया गया है। जिन लोगों ने इन्हें जारी किया है मैं उनके खिलाफ कोर्ट जाऊंगा। अभी मैं चुनाव प्रचार में व्यस्त हूं। समय मिलते ही केस करूंगा।

चुनाव में हुमायूं की पार्टी विधानसभा की 294 सीटों में से 118 पर चुनाव लड़ रही है। उनका गठबंधन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के साथ है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे। हुमायूं ने 6 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी थी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

बाबरी मस्जिद की नींव रख चर्चा में आए थे कबीर

हुमायूं ने 6 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी थी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

वीडियो में सुवेंदु अधिकारी से बातचीत का दावा

वीडियो में हुमायूं कबीर दावा करते हैं कि उनकी बातचीत बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी से हुई है। उन्हें दिल्ली ले जाकर केंद्रीय नेतृत्व से मिलाने की बात कही गई थी। हुमायूं प्रधानमंत्री कार्यालय और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से संपर्क का भी जिक्र करते हैं। वे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के साथ बातचीत का संकेत भी देते हैं।

बिहार- सीने पर बैठकर चाकू से सिर काटा

भीड़ ने आरोपी को भी जमकर पीटा, अस्पताल में मौत

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

अररिया। बिहार के अररिया में गुरुवार को एक युवक का गला काटकर उसका कटा सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने वाले का नाम रवि चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी के सीने पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है। के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

- हत्या के बाद आरोपी ने सिर को बीच सड़क रख दिया।
- हत्या के बाद जमीन पर बिना सिर के पड़ा धड़।

सम्पादकीय

मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी नाकामी

7 और 8 अप्रैल की आधी रात को जब भारत के लोग सो रहे थे, उस समय वैश्विक व्यवस्था में बदलाव की एक बड़ी करवट ली जा चुकी थी। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के छेड़े गए युद्ध को अब अगले दो सप्ताह तक रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच सहमति बन गई है। खास बात यह है कि युद्धविराम का यह ऐलान उस समय हुआ जब ट्रंप की तरफ से दी गई समयबद्ध चेतावनी की सीमा खत्म होने में दो घंटे ही बचे थे। ईरान के समयानुसार बुधवार सुबह तीन बजे तक का वक्तडोनाल्ड ट्रंप ने दिया था कि ईरान उनकी बात मान ले, वर्ना वे ईरान के बिजलीघरों, पुलों और सड़कों पर भारी बमबारी करवाएंगे। ट्रंप ने सीधे-सीधे ईरान को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान के लोगों ने भी हिम्मत दिखाते हुए बिजलीघरों और पुलों के सामने मानवश्रृंखला बना ली थी कि वे ऐसे किसी भी बड़े हमले में कुर्बानी के लिए तैयार हैं, लेकिन समझौता करने के लिए नहीं। लेकिन 1 बजे के करीब युद्धविराम का ऐलान हो गया। इस बड़ी घटना को कालानुक्रम में देखिए- 7 और 8 अप्रैल की रात 12:46 बजे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्रंप और ईरान से 2 हफ्ते के लिए युद्धविराम अनुरोध एक पोस्ट पर किया। बुधवार सुबह 4:02 बजे ट्रंप ने पोस्ट किया कि - 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ बातचीत के बाद मैं आज रात ईरान पर हमला रोक रहा हूं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को खोलने को तैयार हो गया है। 4:41 को ईरान के विदेश मंत्री ने पोस्ट किया कि- इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की ओर से, मैं क्षेत्र में युद्ध को समाप्त करने के अथक प्रयासों के लिए अपने प्रिय भाइयों महामहिम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ और महामहिम फील्ड मार्शल मुनीर के प्रति आभार और सराहना व्यक्त करता हूं। मैं ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से घोषणा करता हूं: यदि ईरान के खिलाफ हमले रोक दिए जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं अपने रक्षात्मक अभियान बंद कर देंगी। 5:20 बजे शाहबाज शरीफ ने पोस्ट में लिखा अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका तत्काल प्रभाव से युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। मैं इस बुद्धिमान पहल का हार्दिक स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। अब बातचीत के आधार पर एक निर्णायक समझौते के लिए शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को दोनों देश के प्रतिनिधिमंडलों को इस्लामाबाद में आमंत्रित करता हूं। अब शुक्रवार को यह दो हफ्तों का युद्धविराम स्थायी युद्धविराम में बदलेगा या फिर नए सिरे से हमलों की शुरुआत होगी, फिलहाल कहा नहीं जा सकता। लेकिन अभी जो 15 दिनों की शांति की बात हुई है, उसमें भी दुनिया ने राहत की सांस ली है, क्योंकि इस जंग की तपिश में पूरी दुनिया झुलस रही थी। ईरान की तरफ से दिए गए 10 बिंदुओं के प्रस्ताव पर ही ट्रंप चर्चा के लिए तैयार हो गए हैं, यह भी ईरान के लिए बड़ी जीत के संकेत हैं। क्योंकि उसने अपने बड़े नेताओं को खोने के बावजूद आखिरी तक हथियार डालने से मना कर दिया। इस युद्धविराम प्रक्रिया में पाकिस्तान के साथ सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र भी लगे थे, लेकिन ईरान इन पर भरोसा नहीं कर पा रहा था। जिसके बाद चीन का आश्वासन आया और ईरान ने सहमति जताई। खुद ट्रंप ने कहा है कि चीन ने ईरान को बातचीत की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम को देखें तो समझ आता है कि जब दुनिया नयी व्यवस्था की तरफ बढ़ रही थी, भारत हिंदू-मुस्लिम के नशे में धुत्त था। ईरान पाकिस्तान को शुक्रिया कह रहा है, अमेरिका कह रहा है कि पाकिस्तान से चर्चा के बाद युद्ध रोका और पाकिस्तान ईरान और अमेरिका को धन्यवाद दे रहा है, इसमें कहीं भी भारत का नामोनिशान नहीं है, क्योंकि हमारी सरकार की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। नरेन्द्र मोदी को बिना कुछ किए विश्वगुरु बनने का शौक है। उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि नेहरू-इंदिरा को कोसेंगे तो मोदी का कद ऊंचा हो जाएगा। वैश्विक नेताओं से जबरन गले मिलेंगे, फिजूल हँसी-ठट्टा करेंगे तो दुनिया में रुतबा बढ़ेगा। लेकिन कोरी लफ्फाज़ी और काम करने में क्या अंतर है, अब नजर आ रहा है। इस युद्धविराम से अमेरिका के अकेले महाशक्ति होने के दावे को बड़ा झटका लगा है, और इससे पहले युद्ध के दौरान जिस तरह यूरोप के कई देशों ने अमेरिका की हरकतों पर सवाल उठाए, उससे भी जाहिर हुआ कि अब अमेरिका की हर बात में हां में हां मिलाने के दिन चले गए हैं। दुनिया के कई देश अब अमेरिका के पिछलग्गू होने की जगह उसे साझीदार की तरह देख रहे हैं। अब पाकिस्तान भी कह सकता है कि अमेरिका ने उसकी बात सुनी। लेकिन भारत में मोदी सरकार ऐसा नहीं कह पाएगी। क्योंकि मोदी अब भी ट्रंप और नेतन्याहू के सामने दबे दिख रहे हैं। जिस पाकिस्तान को मनमोहन सिंह सरकार ने आतंकवादी देश के तौर पर स्थापित कर दिया था वह मोदी सरकार की अक्षम विदेश नीति के कारण अंतरराष्ट्रीय महत्व हासिल कर रहा है और यहां मोदी समर्थक यही बता रहे हैं कि इस युद्ध से हमारा लेना-देना ही नहीं था तो हम बीच में क्यों पड़ें। हालांकि इस युद्ध के कारण ही देश में ऊर्जा संकट आया, महंगाई बढ़ी तो इससे कैसे हमारा लेना-देना नहीं था। इससे पहले भी जब पाकिस्तान की मध्यस्थता की बात आई थी तो एस जयशंकर ने इसे दलाली जैसा निकृष्ट काम बताया था।

ईरान अमेरिका इजराइल युद्ध में दुविधा में भारत

> बलोचिस्तान में चल रहे संघर्ष के कारण वह ईरान से तनाव संभाल नहीं पाता. वो ऐसा इसलिए कर पाया क्योंकि हाल के दिनों में उसके संवाद अमेरिका से बढ़े हैं और ईरान से पहले ही उसके सम्बन्ध हैं

जब से इज़राइल और अमेरिका ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की है, भारत की स्थिति अत्यंत दुविधापूर्ण हो गई है। यह दुविधा केवल कूटनीतिक नहीं बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा से जुड़ी हुई है। एक ओर इज़राइल भारत का महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ भारत के संबंध हजारों वर्षों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों पर आधारित हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के समर्थन का निर्णय भारत के लिए दूरगामी परिणाम ला सकता है। इज़राइल पिछले कई वर्षों से भारत का विश्वसनीय रक्षा सहयोगी रहा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हो या सीमाई सुरक्षा के संवेदनशील मुद्दे, इज़राइल ने कई अवसरों पर भारत का साथ दिया है। भारत की रक्षा प्रणाली में इज़राइल से प्राप्त तकनीक और उपकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि भारत के सुरक्षा दृष्टिकोण से इज़राइल को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार माना जाता है। यदि भारत खुलकर ईरान का समर्थन करता है, तो इस रक्षा सहयोग पर असर पड़ सकता है, जो भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरी ओर ईरान के साथ भारत के संबंध केवल आधुनिक राजनीति तक सीमित नहीं हैं। प्राचीन काल में भारतीय उपमहाद्वीप और पश्चिम एशिया के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्क स्थापित थे। आधुनिक दौर में भी ईरान भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा है। भारत की तेल और गैस जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से आता है। इसके अतिरिक्त ईरान में चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुँच का वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। इसलिए ईरान के साथ संबंधों में किसी भी प्रकार का तनाव भारत के आर्थिक और सामरिक हितों को प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में अमेरिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका वैश्विक राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति है और उसके साथ भारत के संबंध पिछले वर्षों में मजबूत हुए हैं। ऐसे में भारत अमेरिका के साथ अनावश्यक तनाव पैदा नहीं करना चाहता। विशेष रूप से तब,

जब वैश्विक राजनीतिक वातावरण पहले से ही अस्थिर है। अमेरिका के नेतृत्व की नीति अक्सर तेज और अप्रत्याशित निर्णयों से प्रभावित रहती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य अचानक बदल सकता है। भारत के लिए यह स्थिति और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि उसे अपने तीनों महत्वपूर्ण साझेदारों अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ रहा है। इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति मार्ग माना जाता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। यदि इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होता है तो इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान का असर केवल ईंधन की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, कृषि, उद्योग, निर्माण, प्लास्टिक, उर्वरक और उपभोक्ता वस्तुओं तक व्यापक रूप से फैल जाता है। इससे महंगाई बढ़ सकती है और आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है। यही कारण है कि इस संकट के दौरान भारत को अत्यंत सावधानी से कदम उठाने पड़ रहे हैं। भारत सरकार की भूमिका एक जिम्मेदार और संतुलित राष्ट्र की है। सरकार केवल जनभावनाओं के आधार पर निर्णय नहीं ले सकती क्योंकि उसके निर्णय का प्रभाव दीर्घकालिक और बहु- आयामी होता है। यदि भारत ईरान का खुलकर समर्थन करता है, तो इज़राइल के साथ उसके रक्षा संबंध प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील हो सकती है, क्योंकि भारत पहले से ही क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में रक्षा सहयोग में किसी भी प्रकार की कमी रणनीतिक जोखिम पैदा कर सकती है। वहीं यदि भारत इज़राइल के पक्ष में खुलकर खड़ा होता है तो ईरान के साथ संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इससे ऊर्जा आपूर्ति, क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं और कूटनीतिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त ईरान के साथ संबंधों में तनाव का प्रभाव होर्मुज मार्ग की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ सकता है। इस स्थिति में भारत के लिए महंगाई, ऊर्जा संकट और आर्थिक दबाव जैसी चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान जैसे क्षेत्रीय कारक भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यदि भारत की किसी एक पक्ष के साथ निकटता बढ़ती है तो क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में भारत को और अधिक संतुलित और सतर्क कूटनीति अपनानी होगी। पाकिस्तान यहाँ दुहरी चाल चल सकता है. वह भारत से ईरान की नजदीकी का फायदा भारत और इजराइल के बीच खाई बढ़ाने में कर सकता है और अपने हमले को बढ़ा सकता है और मौके का फायदा उठाने के लिए युद्ध भी थोप सकता है. भारत का उद्देश्य किसी भी संघर्ष में पक्ष लेने के बजाय स्थिरता और संवाद को बढ़ावा देना होना चाहिए। भारत की वर्तमान नीति इस संतुलन को बनाए रखने की दिशा में दिखाई देती है। भारत ने अब तक संयमित प्रतिक्रिया दी है और शांति तथा संवाद का समर्थन किया है। यह नीति भारत के दीर्घकालिक हितों के अनुरूप है। भारत की प्राथमिकता ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा, समुद्री मार्गों की स्थिरता और क्षेत्रीय शांति सुनिश्चित करना है। इस समय भारत का ध्यान स्थिति को और अधिक जटिल बनाने के बजाय तनाव कम करने पर होना चाहिए। इस संकट ने एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को भी उजागर किया है रणनीतिक तैयारी की। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएँ अचानक सामने आती हैं और उनका प्रभाव दूरगामी होता है। ऐसे में भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों और कूटनीतिक विकल्पों के लिए स्पष्ट रणनीतिक ढाँचा विकसित करना होगा। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के लिए विशेष रणनीति बनाना समय की मांग है। इससे भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सकेगा। अमेरिका ने युद्ध विराम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान का उल्लेख किया, लेकिन पाकिस्तान की सक्रियता के कारण थे। पाकिस्तान की स्थिति भारत से अधिक फंसी हुई थी, तेल की कीमतें आसमान छूने लगी थी यहां तक कि उसे लिमिटेड लॉक डाउन तक लगाना पड़ा लेकिन इससे बड़ी परेशानी उसकी ये थी कि ईरान सऊदी पर लगातार हमला कर रहा था और सऊदी के साथ सुरक्षा का उसने समझौता किया था. अगर यह युद्ध सऊदी ईरान के बीच डायरेक्ट युद्ध में बदल जाता तो पाकिस्तान के सामने एक तरफ ईरान से उसके सम्बन्ध तो दूसरे तरफ सऊदी से उसका रक्षा समझौता, इसलिए पाकिस्तान ऐसी स्थिति ना आये इसके लिए प्रयासरत था।

पंकज जायसवाल

जन सुराज का...

ज. अनिल कुमार शुक्ला

न्यायपालिका में ए. आई. के उपयोग की संभावनाएं

भारत के संदर्भ में अभी कई चुनौतियां विद्यमान हैं, जिनमें न्यायिक प्रक्रियाओं में औपचारिक ढांचे का अभाव, अत्यधिक निर्भरता का जोखिम और ए.आई.के प्रशिक्षण की कमी प्रमुख हैं। यदि सावधानीपूर्वक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग न्यायालयीन कार्यों में किया जाए, विशेषकर उन मामलों में जो डाटा आधारित हैं, जैसे संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स से संबंधित प्रकरण विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.)अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उसके न्यायपालिका में उपयोग से संबंधित है, जो जितना आधुनिक है उतना ही महत्वपूर्ण भी है। इसलिए इसके मूल स्वरूप को संक्षेप में समझना आवश्यक है, ताकि आगे हम न्यायपालिका में इसके प्रयोग को बेहतर ढंग से समझ सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.)का विकास अनेक वैज्ञानिकों के योगदान से हुआ। समय के साथ यह तकनीक मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग के रूप में विकसित होकर ऐसी स्थिति में पहुंच गई है,जहां यह डाटा, एल्गोरिदम और कंप्यूटिंग शक्ति के आधार पर स्वयं सीखकर निर्णय लेने में सक्षम हो गई है। सरल शब्दों में कहें तो ए.आई. मनुष्य के व्यवहार को समझकर कार्य करने वाली एक बुद्धिमान प्रणाली है, जो जटिल समस्याओं का समाधान तेजी और सटीकता के साथ कर सकती है। आज चिकित्सा के क्षेत्र में इसके माध्यम से रोगों की पहचान अधिक सटीक हो रही है और भविष्य में संभावित बीमारियों का अनुमान

भी लगाया जा रहा है, वहीं मौसम विज्ञान में यह पूर्वानुमान देने में सक्षम है कि कब और कितनी वर्षा होगी, जिससे किसान अपनी फसलों की योजना पहले से बना लेते हैं और आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन के माध्यम से कृषि कार्य अधिक प्रभावी हो गए हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर विज्ञान और रोबोटिक्स के माध्यम से उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ी है और एक जैसे कार्य कम समय में अधिक दक्षता से संपन्न हो रहे हैं, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भी ए.आई. ने जानकारी को त्वरित और संक्षिप्त रूप में उपलब्ध कराकर कार्यों को सरल बना दिया है। वित्तीय क्षेत्र में यह धोखाधड़ी की पहचान करने और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सहायक है, वहीं अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा क्षेत्र में भी इसकी भूमिका निरंतर बढ़ रही है, जिससे स्पष्ट है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हो रहा है, और इसी व्यापक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अब यह आवश्यक हो जाता है कि हम न्यायपालिका जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इसके संभावित उपयोग पर विचार करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सेल्फ लर्निंग क्षमता है, किंतु इसके लिए सही और प्रमाणिक डाटा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण डाटा से प्राप्त परिणाम भी गलत हो सकते हैं। इसके साथ ही इसके उपयोग से समय की बचत और कार्यों में सटीकता तो आती है, परंतु डाटा की गोपनीयता, रोजगार पर प्रभाव और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी सामने आती हैं। जैसे फर्जी प्रोफाइल बनाना, छवि का दुरुपयोग करना या भ्रामक जानकारी फैलाना। इसके अतिरिक्त यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि यदि ए.आई.के माध्यम से किसी व्यक्ति के बारे में आपत्तिजनक सामग्री प्रस्तुत होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? यह भविष्य का एक गंभीर विधिक प्रश्न है। इसलिए यह आवश्यक है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पूरी सावधानी और नैतिकता के साथ किया जाए, क्योंकि यह मानव जीवन को सरल बनाने का एक प्रभावी साधन तो है, किंतु मानव की भावनाओं और नैतिक मूल्यों का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकता। इन्हीं आधारों को ध्यान में रखते हुए हम न्यायपालिका में इसके उपयोग की संभावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। सर्वप्रथम कानूनी शोध के क्षेत्र में यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जहां न्यायाधीश, अधिवक्ता और शोधार्थी इसके माध्यम से त्वरित रूप से आवश्यक सामग्री प्राप्त कर रहे हैं। पहले जहां किसी केस में लॉ (कानून)को खोजने के लिए अनेक पुस्तकों का अध्ययन करना पड़ता था, वहीं अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वह कार्य तुरंत संभव हो गया है। इसके अतिरिक्त केस मैनेजमेंट और न्यायालयीन प्रक्रिया के प्रबंधन में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। न्यायालयों में अनुवाद और लिप्यांतरण के कार्य में भी ए.आई.सहायक बन रहा है। उच्चतम न्यायालय में इस प्रकार के प्रयोग प्रारंभ हो चुके हैं, जहां विभिन्न भाषाओं में दिए गए निर्णयों और दस्तावेजों का त्वरित अनुवाद संभव हो रहा है, जिससे कार्य की दक्षता बढ़ती है, सटीकता में सुधार होता है और त्रुटियों की पहचान करना भी सरल हो जाता है। साथ ही मैनुअल कार्य में कमी आने से समय और खर्च दोनों की बचत होती है। किन्तु इसके साथ यह संभावना भी बनी रहती है कि यदि डाटा त्रुटिपूर्ण है तो उसके आधार पर अनुचित परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अतिरिक्त ए.आई. आधारित निर्णयों में पारदर्शिता और स्पष्टीकरण का अभाव भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, तथा अत्यधिक निर्भरता से मानवीय संवेदनाओं और न्यायाधीश के अनुभव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया में केवल साक्ष्य ही नहीं बल्कि गवाह की भाव-भंगिमा, व्यवहार और आचरण भी कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यदि समस्त सूचनाएं डाटा के रूप में संरक्षित होती हैं तो गोपनीयता का जोखिम भी बना रहता है। अतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए आवश्यक सावधानियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

समस्या केवल...

डॉ. शैलेश शुक्ला

स्वैच्छिक संतानहीनता : समय की आवश्यकता

8 अप्रैल 2026 की शाम, जब विश्व की जनसंख्या वास्तविक समय में बढ़ते अंकों के साथ लगभग 8.3 अरब को पार कर चुकी है, तब यह प्रश्न पहले से कहीं अधिक तीव्रता के साथ हमारे सामने उपस्थित है कि क्या मानव सभ्यता अपने ही विस्तार के बोझ तले दबने की ओर अग्रसर है। यह वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गहन वैश्विक संकट का संकेत है—एक ऐसा संकट जो संसाधनों की सीमाओं, पर्यावरणीय असंतुलन और सामाजिक संरचनाओं की जटिलताओं को एक साथ उजागर करता है। हर वर्ष लगभग 7 करोड़ लोगों का इस ग्रह पर जुड़ना उस दबाव को कई गुना बढ़ा देता है, जिसे पृथ्वी पहले ही वहन करने में संघर्ष कर रही है। विशेष रूप से भारत जैसे देशों में, जहाँ जनसंख्या 1.47 अरब के आसपास पहुँच चुकी है, यह चुनौती और अधिक स्पष्ट तथा तीव्र रूप में दिखाई देती है। समस्या केवल जनसंख्या की संख्या नहीं है, बल्कि उस संख्या का पृथ्वी की धारण क्षमता पर पड़ने वाला प्रभाव है। आधुनिक अर्थशास्त्र और पर्यावरण विज्ञान में "carrying capacity" का सिद्धांत स्पष्ट करता है कि किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र की एक सीमा होती है, जिसके आगे वह संतुलन बनाए नहीं रख सकता। जब यह सीमा पार होती है, तो परिणामस्वरूप संसाधनों का क्षय, पर्यावरणीय गिरावट और सामाजिक असमानताएँ उत्पन्न होती हैं। आज विश्व के अनेक महानगरों में भीड़, प्रदूषण, जल संकट और अव्यवस्थित जीवनशैली इसी असंतुलन के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है; विकसित राष्ट्र भी अत्यधिक उपभोग और संसाधन-गहन जीवनशैली के कारण इस दबाव को और बढ़ा रहे हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से देखें तो प्रत्येक नया जन्म केवल एक जीवन का आगमन नहीं, बल्कि एक अतिरिक्त कार्बन फुटप्रिंट का निर्माण भी है। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में यह तथ्य अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जा चुका है कि जनसंख्या वृद्धि, ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन के बीच सीधा संबंध है। जब हर वर्ष करोड़ों नए उपभोक्ता इस पृथ्वी पर जुड़ते हैं, तो ऊर्जा, पानी, भोजन और आवास की मांग उसी अनुपात में बढ़ती है। वनों की कटाई, जैव विविधता का क्षरण और प्रदूषण की बढ़ती मात्रा इस दबाव के स्वाभाविक परिणाम हैं। ऐसे में यह तर्क कि तकनीकी प्रगति इन समस्याओं का समाधान कर देगी, एक सीमित और आंशिक दृष्टिकोण प्रतीत होता है, क्योंकि तकनीक स्वयं भी संसाधनों पर निर्भर है और उसका विस्तार भी पर्यावरणीय लागत के साथ आता है। इस संदर्भ में सामाजिक और सांस्कृतिक धारणाएँ भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक समाजों में संतान को "ईश्वर की देन" के रूप में देखा जाता है, और इस धारणा के कारण परिवार नियोजन को अक्सर नैतिक या धार्मिक प्रश्न बना दिया जाता है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

ईरान का अद्भुत जज्बा दुनिया के लिए मिसाल

टाइटैनिक फिल्म का एक अद्भुत दृश्य है, जब जहाज टुकड़े-टुकड़े होकर डूबता है, अमीरों में आपाधापी मची रहती है कि बचाने वाली नावों पर वे किसी भी तरह सवार हो जाएं, नीचे गरीबों के निकलने के रास्ते पर दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया जाता है, क्योंकि उनकी जान की कीमत नहीं समझी जाती, पूरे जहाज में चीख-पुकार मची रहती है और इस बीच संगीतकारों के दल के सदस्य अपने वाद्य लेकर जाते-जाते ठहरते हैं और एक आखिरी बार अपने संगीत की प्रस्तुति देते हैं। मौत के बीच वे जिंदगी, जिंदादिली और जिजीविषा की अद्भुत संगीत रचना पेश करते हैं। बीते दिनों ईरान के सुप्रसिद्ध संगीतकार अली ग़मसारी जब इसी तरह तेहरान में दमावंद बिजली संयंत्र के सामने पहुंचे और उन्हें देखकर कई और कलाकार भी इसी तरह अपने वाद्ययंत्रों के साथ प्रस्तुति देने बाहर आए, तो टाइटैनिक के उस दृश्य की ही याद आ गई। ग़मसारी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जा सकते हैं, उन्होंने तेहरान के दमावंद बिजली संयंत्र में अपने वाद्य यंत्रों के साथ पहुंचकर बम के धमाके के जवाब के लिए संगीत के सुरों को चुना। बिजली संयंत्र के सामने दरी बिछाकर अपने वाद्य 'तार' के साथ ग़मसारी बैठे और दो दिनों तक बजाते रहे। उनके इस फैसले के पीछे डोनाल्ड ट्रंप की वह धमकी थी, जिसमें वे ईरान की पूरी सभ्यता को खत्म करने का ऐलान कर रहे थे। गौरतलब है कि 28 फरवरी के बाद ट्रंप ने कई बार ईरान को कई तरह की धमकियां दीं, लेकिन बीते दिनों उनकी दो धमकियां चर्चा में रहीं। पहले तो उन्होंने ईरान की सैन्य ताकत खत्म करने के दावे के साथ ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की धमकी दी, इसके बाद एक और धमकी देकर मंगलवार रात आठ बजे तक का वक्त दिया कि इसके बाद वे ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों और सड़कों पर ऐसे हमले करेंगे जिससे एक पूरी सभ्यता नष्ट हो जाएगी। ईरान को धमकाने के लिए ट्रंप ने अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया, जिसने उनका असली चेहरा दुनिया के सामने खोल कर रख दिया। हालांकि जो लोग ईरान को एक पिछड़ा, अशिक्षित, दकियानूसी, कट्टरपंथी, धर्मान्ध देश मानने की भूल करते थे, क्योंकि अमेरिका ने उनके सामने ईरान की ऐसी ही तस्वीर पेश की थी। उन्हें भी नजर आ गया कि असल में ईरान क्या है। अली ग़मसारी जैसे सैकड़ों-हजारों-लाखों-करोड़ों लोगों ने दुनिया को ईरान के एक ऐसे जुझारू पक्ष को दिखा दिया, जो आज के वक्त में दुर्लभ गुण हो चुका है। प्रसंगवश बता दूं कि युद्ध में अपने

देश की सेवा के लिए दुनिया भर से ईरानी जनता वतन वापस लौट गई। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, चीन जैसे तमाम विकसित देशों में आराम का जीवन बिताने का मौका इन अप्रवासी ईरानियों के पास था, लेकिन अपनी सुरक्षा और आराम से पहले इनके लिए देश की रक्षा है, जिसकी खातिर वे लौट आए। जबकि अमूमन यही होता है कि जब किसी देश पर हमला हो या किसी किस्म का संकट आए, तो बाहर बैठे उसके नागरिक खैर मनाते हैं कि अच्छा है हम वहां नहीं हैं। भारत के भी लाखों लोग विदेशों में बसे हैं, जिनके लिए देशप्रेम का मतलब विदेशी धरती पर अपने त्योहार मनाना, अपने सनातनी संस्कारों को पेश करना ही है। भारत वापस आकर ये कभी यहां के प्रदूषण पर नाक-भौं सिकोड़ेंगे, तो कभी यातायात व्यवस्था की हंसी उड़ाएंगे या फिर विदेश में बैठकर देश के लोगों को देशभक्ति का ज्ञान देंगे। ऐसे में ईरान के लोगों का जज़्बा किसी अजूबे से कम नहीं है। बहरहाल बात ईरान के लोगों की हिम्मत और अनूठी रचनात्मकता की हो रही है। संगीतकार अली ग़मसारी ने दमावंद बिजली संयंत्र के सामने बैठकर संगीत के तार छेड़े, ताकि ईरान की अधोसंरचना पर होने वाले हमलों को रोकने में मदद मिल सके। वहीं ईरान के प्रसिद्ध गायक अली ज़ंदवाकिली ने बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए रेलवे लाइन के किनारे गीत गाए। इधर ईरान के शरीफ विश्वविद्यालय को अमेरिका ने मिसाइल से तबाह किया तो अगले ही दिन गणित के एक प्रोफेसर ने राख और मलबे के बीच बैठकर ही ऑनलाइन क्लास ली, जबकि एक और प्रोफेसर डॉ. मसूद शादनाम ने कहा कि ये हमले ईरान में वैज्ञानिक प्रगति को प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि इमारतें दोबारा बनाई जा सकती हैं, लेकिन बुद्धि को निशाने पर नहीं लिया जा सकता और विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिभाशाली लोग यहीं रहते हैं। अमेरिका की ईरान को पूरी तरह तबाह करने की धमकी के बीच युवा और खेल मामलों के उपमंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक चैनल पर आकर अपने देशवासियों से अपील की कि हम मानवश्रृंखला बनाकर इन धमकियों का जवाब दें, उन्होंने कहा कि, 'बिजली संयंत्र जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं। हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है।' मंत्री की इस अपील पर देश के युवा, छात्र, खिलाड़ी, कलाकार, शिक्षक सब हाथों में हाथ डालकर मानवश्रृंखला बनाकर खड़े हो गए। राजनीतिक विश्लेषण सेवा हम होंगे कामयाब की पंक्तियां याद आ गईं- हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ, हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन। ईरान वाकई ऐसे ही कामयाबी की राह पर आगे बढ़ा। तभी तो ट्रंप को सभ्यता खत्म करने की धमकी के बाद यह कहने पर मजबूर होना पड़ा कि हम दो हफ्ते के युद्धविराम के लिए तैयार हैं, हम आगे चर्चा के लिए तैयार हैं, हम ईरान में पुनर्निर्माण के लिए मुआवजा देंगे। दरअसल ईरान को यह कामयाबी, यह नायकत्व अपने नेतृत्व और जनता की अटूट देशभक्ति के जज्बे से हासिल हुआ है। मंगलवार को जब सब कुछ खत्म करने की चेतावनी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी, तो उसके जवाब में उनके समकक्ष ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेशिकयान ने कहा था कि 1.4 करोड़ से अधिक ईरानी लोगों ने देश रक्षा में शहादत के लिए तैयार रहने का इरादा जताया है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान देने के लिए पहले भी तैयार था, अब भी हूं और आगे भी रहूंगा। अब दुनिया देख रही है कि जिस देश का राष्ट्रपति खुद कहे कि मैं शहीद होने के लिए तैयार हूं, और जिस देश के सर्वोच्च नेता ने पहले अपनी शहादत दे दी, क्या उस ईरान को अमेरिका और इजरायल कभी हरा पाएंगे। याद रहे कि दिवंगत अयातुल्लाह अली खामेनेई के पास मौका था कि वे युद्ध शुरु होते ही किसी बंकर में जाकर रहते ताकि उनकी जान बचे और वे अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। उनके सलाहकारों ने उनसे यही गुजारिश भी की थी। खामेनेई के करीबी रहे अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने बताया था कि खामेनेई ने अपने सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि अगर वे ईरान के 9 करोड़ लोगों के लिए सुरक्षित शेल्टर का इंतजाम कर सकते हैं, तभी वे अपना घर छोड़कर कहीं और जाएंगे। उनके साथ उनके परिवार वालों ने भी किसी खास सुरक्षा प्रावधान से इंकार कर दिया और 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में इन सभी ने अपनी शहादत दी।

शुभमन गिल पर 12 लाख का जुर्माना

दिल्ली के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा, जीटी ने डीसी को 1 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में अनुशासन नियमों को लेकर सख्ती एक बार फिर देखने को मिली है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुबमन गिल पर स्लो ओवर-रेट के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद की गई। आईपीएल की ओर से जारी आधिकारिक मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक, गुजरात टाइटंस की टीम मैच के दौरान निर्धारित समय के भीतर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर सकी। लीग के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत इसे स्लो ओवर-रेट माना गया और कप्तान गिल पर जुर्माना लगाया गया। चूंकि यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए केवल आर्थिक दंड ही लगाया गया है। मैच की बात करें तो यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 210 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने

आक्रामक अंदाज में रन बनाए और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने भी जोरदार प्रदर्शन किया और मैच को आखिरी ओवर तक खींच ले गई। हालांकि, दिल्ली की टीम 209 रन ही बना सकी और उसे 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच के अंतिम पलों में रोमांच चरम पर था, लेकिन गुजरात ने संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज कर ली। आईपीएल में हर टीम के लिए यह अनिवार्य होता है कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने 20 ओवर पूरे करे। ऐसा न करने पर स्लो ओवर-रेट का उल्लंघन माना जाता है। पहली गलती पर कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है।

गुजरात टाइटंस की इस सीजन में यह पहली जीत रही। अब टीम का अगला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ में रविवार को होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

बार-बार गलती करने पर सजा बढ़ती है

- अगर टीम सीजन में पहली बार स्लो ओवर-रेट की दोषी पाई जाती है, तो कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।
- दूसरी बार करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपए जुर्माना और बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का कुछ प्रतिशत जुर्माना लगता है।
- तीसरी बार करने पर कप्तान पर भारी जुर्माना और एक मैच का बैन भी लग सकता है।

कैसे तय होता है स्लो ओवर-रेट?

एक पारी को आमतौर पर करीब 90 मिनट में पूरा करना होता है। बीच में टाइम-आउट और अन्य ब्रेक को छोड़कर ओवर की गति मॉनिटर की जाती है और मैच रेफरी यह देखते हैं कि टीम निर्धारित समय से पीछे तो नहीं चल रही।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 के दौरान BCCI ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में

शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं। आमतौर पर IPL टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है। नए नियम के मुताबिक बाकी खिलाड़ी डगआउट में रहेंगे। उन्हें बाउंड्री लाइन और LED बोर्ड के बीच आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। टीम सूत्रों के मुताबिक, हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकते। उन्हें ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति नहीं है।

हेनरिक क्लासन ने एसआरएच को दिए 10 में 6 नंबर

सनराइजर्स हैदराबाद की IPL 2026 में शुरुआत अब तक मिली-जुली रही है। टीम ने शुरुआती 3 मैचों में से 2 हारे हैं, जबकि 1 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल की। टीम के मिडिल ऑर्डर बैटर हेनरिक क्लासन ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में राइवली वीक से पहले टीम के प्रदर्शन पर बात की। सवाल पर क्लासन ने कहा कि अगर टीम के प्रदर्शन को रेटिंग दी जाए तो वह अभी 10 में से 6 देंगे। उनके मुताबिक टीम ने कई क्षेत्रों में अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन अहम मौकों पर की गई गलतियां भारी पड़ रही हैं। क्लासन ने बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में जल्दी विकेट गंवाने से टीम मुकाबले से बाहर हो गई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी यूनिट का बड़ा हिस्सा अच्छी लय में है और टीम में करीब 80% पॉजिटिव्स हैं, लेकिन शुरुआती झटके बड़ी चुनौती बन रहे हैं। फील्डिंग को लेकर भी क्लासन ने चिंता जताई।

फास्ट न्यूज

कानूनी पचड़े में फंसी फिल्म धुरंधर 2

नई दिल्ली। प्रोडक्शन कंपनी त्रिमूर्ति फिल्म्स ने फिल्ममेकर आदित्य धर के प्रोडक्शन हाउस B62 स्टूडियोज के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का केस दायर किया है। त्रिमूर्ति फिल्म्स का कहना है कि उनकी फिल्म त्रिदेव के गानों तिरछी टोपीवाले (ओए ओए) और हम प्यार करने वाले या उनके मिलते-जुलते वर्जन का उपयोग फिल्म में बिना लाइसेंस या अनुमति के किया गया है। बता दें कि गाना तिरछी टोपीवाले को आनंद-मिलिंद ने कंपोज किया था।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा किया बंद

तेल अवीव। इजराइल ने बुधवार को लेबनान में कई जगहों पर एयरस्ट्राइक की। इन हमलों में 254 लोग मारे गए और 1,165 लोग घायल हो गए। लेबनान की नागरिक सुरक्षा टीम के अनुसार, मारे गए लोग लेबनान के बेरुत, बालबेक, हर्मेल, नबातीह, अले डिस्ट्रिक्ट, सिडोन और टायर के थे। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, इजराइली हमले के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। इससे पहले उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने चेतावनी दी थी कि अगर सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया, तो यह समझौता टूट जाएगा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ईरान के साथ सीजफायर प्लान में हिजबुल्लाह शामिल नहीं है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का सीजफायर प्लान भेजा था, उसमें हिजबुल्लाह पर हमले रोकने की मांग की गई थी।

जेईई मेन के नतीजे 20 अप्रैल को होंगे घोषित

मुंबई। जेईई मेन 2026 परीक्षा के नतीजे 20 अप्रैल को आने की संभावना है। जनवरी और अप्रैल की परीक्षा में से बेस्ट स्कोर के आधार पर फाइनल मेरिट जारी की जाएगी। इसके बाद जेईई एडवांस की परीक्षा के लिए 23 अप्रैल को आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एडवांस परीक्षा का आयोजक संस्थान आईआईटी रुड़की 17 मई को परीक्षा आयोजित करेगा और एक जून को रिजल्ट जारी कराएगा। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए)

समय रैना पर भड़के मुकेश खन्ना

बोले- शक्तिमान का अपमान किया, मुंह काला कर तुम्हें गधे पर घुमाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर मुकेश खन्ना कॉमेडियन समय रैना पर भड़क गए और बुधवार को उन्होंने एक एडिटेड तस्वीर शेयर की, जिसमें समय रैना को गधे पर बैठे दिखाया गया। जिसमें लिखा था कि समय रैना तू सिर्फ गधे पर बैठने के लायक है!! वो भी मुंह काला करके। तस्वीर के साथ मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर यह लिखा, 'कुत्ते की दुम टेढ़ी रहती है। उसे लाख शीशियों में रखो। बाहर निकालो, फिर टेढ़ी की टेढ़ी!! समय रैना की भी एक दुम है। कितना भी मारो, सीधा करो, वो वापस टेढ़ी हो जाती है क्योंकि वो सीधा-सादा प्राणी नहीं है। वो रोस्टेड प्राणी है।' उन्होंने आगे लिखा, 'गंदगी की आग में जलाया हुआ, पकाया हुआ। पूरे देश ने लताड़ा, मारा, फिर आ गया बेशर्मों की तरह और मार खाने। अब एक ही चीज बाकी है। उसका मुंह

काला कर गधे पर बिठा कर देश भर के शहरों में, गलियों में उसकी परेड करनी चाहिए। जहां बच्चे उसको अंडे, टमाटर मारें क्योंकि उसने उनके सुपरहीरो शक्तिमान का अपमान किया है!!! दरअसल हाल ही में समय रैना ने अपने वीडिया 'स्टिल आईलव' में 2025 के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद को लेकर आलोचना करने वालों पर टिप्पणी की थी। जिस पर उन्होंने मुकेश खन्ना और उनके शो शक्तिमान को लेकर कहा था, 'शक्तिमान आ गया था यार।

विलेन के मिशन पर टाइम ट्रैवल करेंगे महेश, इतिहास से 2027 तक का दिखेगा सफर

प्रियंका चोपड़ा-महेश बाबू की 'वाराणसी' की कहानी लीक

> इस मेगा बजट फिल्म की पहली झलक साल 2025 के नवंबर में सामने आई थी। तब से ही फिल्म के टाइम-ट्रैवल और एक्शन को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। एसएस राजामौली अपनी फिल्मों जैसे 'बाहुबली' और 'आरआरआर' के लिए जाने जाते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

एसएस राजामौली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' फिल्म का प्लॉट लीक हो गया है। प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू स्टारर इस फिल्म की कहानी टाइम ट्रैवल पर आधारित होगी, जिसमें महेश बाबू एक शिव भक्त के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी का खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि इसमें विजुअल इफेक्ट्स का काम देख रही मशहूर कंपनी 'सिनेसैट' (Cinesite) ने किया है। यह वही कंपनी है जिसने 'स्पाइडर-मैनः नो वे होम' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। स्टूडियो ने अपने पोर्टफोलियो में राजामौली के इस प्रोजेक्ट को जोड़ा और एक शॉर्ट डिटेल शेयर की, जिसमें फिल्म की कहानी की मुख्य कड़ियां बताई गई हैं। लीक हुए प्लॉट के मुताबिक, महेश बाबू एक शिव भक्त 'रुद्र' का किरदार निभा रहे हैं।

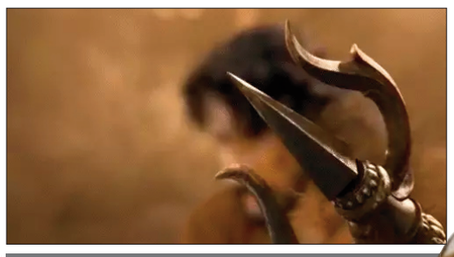

प्रियंका बोलीं- भविष्य में जाने वाली कहानी नहीं

फिल्म की लीड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म हॉलीवुड की 'बैक टू द फ्यूचर' जैसी नहीं है। प्रियंका ने कहा, फिल्म की कहानी प्राचीन इतिहास से लेकर भविष्य तक फैली हुई है। हम 7200 ईसा पूर्व से लेकर साल 2027 तक के समय में ट्रैवल कर रहे हैं। दर्शक उन अलग-अलग दुनियाओं और दौर को देखेंगे जिनमें किरदार रहते हैं।

धुरंधर 2 की ओटीटी रिलीज मध्य मई तक नहीं होगी

गाने रंग दे लाल को लेकर कॉपीराइट केस में मेकर्स ने कोर्ट को दिया आश्वासन

मुंबई, एजेंसी

आदित्य धर के प्रोडक्शन हाउस B62 स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट को यह आश्वासन दिया है कि वह फिल्म धुरंधरः द रिवेंज को मई 2026 के मध्य तक किसी भी OTT प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं करेगा। मामले की अगली सुनवाई 6 मई 2026 को होगी। यह बात त्रिमूर्ति फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आई, जो 1989 की फिल्म त्रिदेव की कॉपीराइट होल्डर है और जिसने आरोप लगाया है कि उसकी फिल्म के गाने रंग दे लाल (ओए ओए) का बिना अनुमति इस्तेमाल और री-परपजिंग इस फिल्म में किया गया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस तुषार राव गेडेला ने कहा कि इस स्टेज पर कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई जा रही है, लेकिन प्रतिवादी अपनी OTT

रिलीज के बारे में इस बयान से बंधे होंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि चूंकि फिल्म पहले ही थिएटर में रिलीज हो चुकी है, इसलिए अब मुद्दा इसके डिजिटल इस्तेमाल का है। आदित्य धर के प्रोडक्शन हाउस की ओर से पेश हुए वकील ने बताया कि मई के अंत तक फिल्म को किसी भी OTT प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की कोई प्लान नहीं है, जिसे कोर्ट ने मई 2026 के मध्य तक के रूप में दर्ज किया। त्रिमूर्ति फिल्म्स का कहना है कि मशहूर गाना ₹ओये ओये₹ को धुरंधर के साउंडट्रैक ₹रंग दे लाल₹ में शामिल किया गया है और इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अलग से भी इस्तेमाल किया जा रहा है। त्रिमूर्ति फिल्म्स की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट स्वाति सुकुमार ने कहा कि प्रतिवादियों ने गाने और साउंड रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल कर उसे नई फिल्म में री-परपज किया है और इससे अलग से कमाई भी की जा रही है। उन्होंने दलील दी कि 1988 में सुपर कैसेट्स (टी-सीरीज) के साथ हुआ एग्रीमेंट केवल फिल्म त्रिदेव तक सीमित था और इस तरह के नए इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता। उन्होंने यह भी कहा कि गाने का नाम बदलकर रंग दे लाल करना असल बात को छिपाने की कोशिश है, क्योंकि यह शब्द मूल गीत के लिरिक्स में मौजूद ही नहीं हैं।

खाली हाथ आए थे, ऐसे ही जाएंगे : अमिताभ

बिग बी ने जिंदगी के 'क्यों' और 'कैसे' पर किया चिंतन, खुद से सवाल-जवाब किए

मुंबई, एजेंसी

महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में जीवन के अर्थ और आत्मचिंतन को लेकर एक भावुक और विचारशील नोट साझा किया है। अपने ब्लॉग में उन्होंने बताया कि उन्होंने एक पूरा दिन शांति में बिताया, जहां उन्होंने खुद से सवाल-जवाब करते हुए जीवन को समझने की कोशिश की। अमिताभ ने लिखा कि इस दौरान उन्होंने अपने आसपास की चीजों और खुद के भीतर झांकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें अपने कई सवालों के स्पष्ट जवाब नहीं मिल सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जीवन के 'क्यों' और 'कैसे' को समझना हर व्यक्ति की कोशिश होती है, लेकिन इसके ठोस और अंतिम उत्तर मिलना आसान नहीं होता। उन्होंने अपने विचारों में यह भी जोड़ा कि इंसान इस दुनिया में खाली हाथ आता है और अंत में खाली हाथ ही चला जाता है। उनके अनुसार, यही जीवन का सबसे बड़ा सच है, जिसे समझने में ही पूरी उम्र निकल जाती है। ब्लॉग के अंत में

काम न करने पर होती है बेचैनीः अमिताभ

इससे पहले 6 अप्रैल को भी अमिताभ ने लिखा था कि जब वह रोज काम नहीं करते, तो उन्हें असहज महसूस होता है। उन्होंने कहा कि बिना काम के दिन उन्हें परेशान और असंतुलित लगते हैं। उनके अनुसार, काम न करने से उनकी दिनचर्या प्रभावित होती है, जिससे बेचैनी हो सकती है, अगर इसे समझा और संभाला न जाए।

उन्होंने जीवन की जटिलता को बेहद सरल शब्दों में व्यक्त करते हुए लिखा कि इंसान लगातार अपने सबसे सच्चे रूप की तलाश में रहता है, लेकिन यह तलाश कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि शायद ऐसा ही होना चाहिए, क्योंकि हर सवाल का कोई एक तय जवाब नहीं होता। हर सोच के कई रास्ते होते हैं और हर रास्ता एक ही मंजिल तक नहीं पहुंचता। अमिताभ बच्चन के इस विचारशील लेखन से उनके व्यक्तित्व का एक अलग पहलू सामने आता है। जहां एक ओर वह पर्दे पर दमदार किरदार निभाते हैं, वहीं दूसरी ओर निजी जीवन में गहराई से सोचने और आत्मविश्लेषण करने वाले इंसान भी हैं। उनके इस तरह के विचार समाज में सकारात्मक सोच और आत्मचिंतन की प्रेरणा देते हैं। अब वह इसके दूसरे पार्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं और समय-समय पर सेट से बिहाइंड द सीन (BTS) तस्वीरें साझा करते रहते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में वह लगभग चार दशक बाद Kamal Haasan के साथ एक बार फिर स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। इस ऐतिहासिक पुनर्मिलन को लेकर उन्होंने अपनी खुशी भी जाहिर की है।

वर्क फ्रंट पर अपडेट

अगर काम की बात करें तो अमिताभ बच्चन को आखिरी बार फिल्म कल्कि 2898 AD में देखा गया था, जिसे Nag Ashwin ने निर्देशित किया था। फिल्म में उनके किरदार को काफी सराहना मिली थी। वहीं अब अमिताभ बच्चन इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं और उन्होंने सेट से बिहाइंड द सीन (BTS) तस्वीरें भी साझा की हैं। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में वह करीब 40 साल बाद Kamal Haasan के साथ दोबारा स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जिसे लेकर उन्होंने उत्साह भी जताया है।

फैसला : सरकार ने राज्यों की डेली लिमिट दोगुनी की, ईरान जंग की वजह से फैसला लिया

प्रवासी मजदूरों को आसानी से मिलेगा 5 केजी वाला गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 5KG वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडरों का डेली लिमिट का कोटा दोगुना कर दिया है। बढ़ा हुआ कोटा खास तौर पर प्रवासी मजदूरों के लिए रिजर्व रहेगा। सरकार ने 2-3 मार्च की औसत सेल के आधार पर 5KG वाले LPG सिलेंडर की एक्स्ट्रा सप्लाई देने का फैसला किया है, जो पहले से तय 20% की लिमिट से अलग होगी। अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से LPG की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इसलिए प्रवासी मजदूरों और कम आय वाले वर्ग को राहत देने के लिए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय ने साफ किया है कि 5

किलो वाले सिलेंडर के लिए अब बहुत सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत नहीं है। ग्राहक आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे डॉक्यूमेंट दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं। आप साल में जितनी बार चाहें, उतनी बार इसे रिफिल करवा सकते हैं।

बिना एड्रेस प्रूफ मिलेगा 5 केजी वाला सिलेंडर

केंद्र सरकार ने एक दिन पहले ही 5Kg वाले LPG सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकेगा। इसे खरीदने के लिए कोई सिक्योरिटी राशि जमा करने की जरूरत भी नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह कदम प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए उठाया गया है, जिनके पास शहर में कोई स्थायी पता नहीं है। अब ग्राहकों को ऑथोराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर सिर्फ अपनी कोई भी एक फोटो-ID दिखानी होगी और वे तुरंत सिलेंडर ले सकेंगे।

कहां से खरीद सकते हैं 'छोटू' सिलेंडर?

ग्राहक इसे अपनी सुविधा के अनुसार कई जगहों से खरीद सकते हैं:

गैस एजेंसियां: इंडेन, एचपी अप्पू या भारतगैस मिनी की अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटरशिप से।

पेट्रोल पंप: तेल कंपनियों के रिटेल आउटलेट्स पर यह उपलब्ध है।

लोकल स्टोर: चुनिंदा किराना दुकानों और स्थानीय सुपरमार्केट से भी इसे लिया जा सकता है।

सप्लाई पर असर के कारण छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एनर्जी लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक लगभग 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

सोना 1 हजार गिरकर 1.51 लाख पर आया

चांदी की कीमत 9 हजार कम होकर 2.35 लाख हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी 9 अप्रैल को गिरावट दर्ज की गई है, जिससे खरीदारों और निवेशकों को कुछ राहत मिली है। India Bullion and ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,000 रुपये की कमी आई है। इसके बाद 10 ग्राम सोना घटकर 1.50 लाख रुपये पर पहुंच गया है, जबकि इससे पहले इसका भाव 1.51 लाख रुपये था। वहीं चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। एक किलो चांदी 9,000 रुपये सस्ती होकर अब 2.35 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर पर आ गई है। यह गिरावट हाल के दिनों में आई तेज बढ़त के बाद आई है, जिससे बाजार में कुछ संतुलन देखने को मिल रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

पाकिस्तानी शेयर मार्केट में इतिहास की सबसे बड़ी तेजी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद आज (8 अप्रैल, बुधवार) पाकिस्तान के शेयर बाजार में 14,000 अंकों की रिकॉर्ड तेजी आई। कराची स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स कराची 100 (KSE) 14,162.58 अंक यानी 9.34% बढ़कर 165,836.05 पर बंद हुआ। यह KSE-100 इंडेक्स के इतिहास में एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। इससे पहले कराची स्टॉक एक्सचेंज में इतनी बड़ी तेजी कभी नहीं देखी गई थी। इस तेजी के बाद नियमों के तहत ट्रेडिंग अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में पिछले कुछ हफ्तों से अस्थिरता थी। KSE-100 इंडेक्स 7 अप्रैल को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था। हालांकि, 2 मार्च को इसमें 16,089 अंकों यानी 9.57% की गिरावट आई थी। यह इसके इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट में से एक थी। यह गिरावट पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण आई थी।

मंदिर की दीवार ढही, 3-माह का बच्चा दबा

रेस्क्यू में लगे डेढ़ घंटे, अस्पताल में तोड़ा दम

- घटना के बाद इलाके में पहुंची अफरा-तफरी मच गई।
- बच्चे के बाबा मेवालाल ने भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि बच्चा झोपड़ी के अंदर सो रहा था। बाकी लोग बाहर थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के Aliganj इलाके में गुरुवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां डंडहिया बाजार स्थित पुराना हनुमान मंदिर की जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में एक 3 माह का मासूम मलबे में दब गया, जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटना के तुरंत बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और नगर निगम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी

मशक्कत के बाद बच्चे को मलबे से बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे तुरंत Bhaurao Deoras Hospital में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए King George's Medical University (केजीएमयू) रेफर कर दिया।

हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है।बच्चे के बाबा मेवालाल ने रोते हुए बताया कि हादसे के समय बच्चा झोपड़ी के अंदर सो रहा था, जबकि परिवार के बाकी सदस्य बाहर मौजूद थे।

अचानक मंदिर की जर्जर दीवार गिर गई और बच्चा मलबे में दब गया। यह बताते हुए वह भावुक हो उठे और फूट-फूटकर रोने लगे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद करीब 50-60 लोगों ने मिलकर बच्चे को निकालने की कोशिश की, लेकिन भारी मलबे के कारण उसे बाहर निकालने में काफी समय लग गया। अगर रेस्क्यू जल्दी हो पाता, तो शायद बच्चे की जान बचाई जा सकती थी।

मलबे से जिंदा निकाला गया

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बच्चे को सकुशल मलबे से बाहर निकाला गया। बच्चे के बाबा मेवालाल ने बताया कि उनके बेटे गजोधर के 3 माह के बेटे रूप लाल की मलबे में दबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मिसरिख सीतापुर निवासी गजोधर के 3 माह के बेटे के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, गजोधर झुग्गी डालकर मंदिर के पास परिवार के साथ रहते हैं।

तीन बेटियों के बाद हुआ था बेटा

स्थानीय निवासी फूल कुमार ने बताया कि बच्चे के पिता गजोधर के पहले से तीन बेटियां हैं और यह उनका इकलौता बेटा था। बेटे का जन्म ऑपरेशन से हुआ था, जिसके इलाज में करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च हुए थे। परिवार ने इसके लिए कर्ज भी लिया था, जो अब तक चुकाया नहीं जा सका है। इस हादसे ने न सिर्फ एक मासूम की जान ले ली, बल्कि एक परिवार की खुशियों को भी छीन लिया। घटना के बाद इलाके में जर्जर इमारतों और धार्मिक स्थलों की स्थिति को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

घटना के बाद इलाके में पहुंची अफरा-तफरी मच गई।

भाजपा पर अखिलेश यादव का हमला

बोले- जनविरोधी है सरकार, 2027 चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को किया सतर्क

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। Akhilesh Yadav ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी का राजनीतिक चरित्र जनविरोधी है और वह लोकतंत्र के साथ छल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, अस्पतालों की स्थिति खराब है और गरीबों को इलाज तक नहीं मिल पा रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि जनता बदलाव चाहती है और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए तैयार है।

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईआर के दौरान नकली हस्ताक्षरों से वोट काटे जा रहे थे, लेकिन आयोग निष्क्रिय बना हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर सक्रिय होकर लोगों को भाजपा सरकार की नाकामियों के बारे

में जागरूक करें। उन्होंने स्मार्ट सिटी योजना, यातायात व्यवस्था और ग्रीन कॉरिडोर परियोजनाओं को लेकर भी सरकार की आलोचना की। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था खराब है, स्मार्ट मीटर के जरिए बिल में गड़बड़ी हो रही है और उपभोक्ता परेशान हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ने कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट बंद कर दिया और किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अपनी सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने प्रदेश को एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े प्रोजेक्ट दिए और विकास की दिशा में आगे बढ़ाया।

फास्ट न्यूज़

प्राइवेट कंपनी के अकाउंटेंट ने आत्महत्या की

लखनऊ। लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र स्थित राजाजीपुरम एफ-ब्लॉक में एक युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। युवक की पहचान सआदतगंज निवासी आदर्श प्रजापति (26) के रूप में हुई। वह प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट था। घटना बुधवार दोपहर की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक ने आत्महत्या करने से पहले ऑफिस में एक सुसाइड नोट छोड़ था। उस पर गर्लफ्रेंड को लिखा था।

माफिया अशरफ के करीबी प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अशरफ के करीबी प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इरफान घर के पास ही चाय की दुकान पर बैठे थे, तभी 2 बाइक से 4 हमलावर आए। सभी ने गमछे से मुंह ढक रखे थे। इरफान के नजदीक ही हमलावरों ने बाइक रोकी। 3 बाइक पर बैठे रहे, जबकि एक हमलावर बाइक से उतर गया। वह इरफान के करीब पहुंचा। पिस्टल निकाली और सीने पर सटाकर गोली मार दी। इरफान खून से लथपथ होकर गिर गए। हमलावरों ने पिस्टल लहराई और बाइक स्टार्ट करके भाग गए। बुधवार शाम 6.30 बजे करेली इलाके में बिस्मिल्ला चौराहे पर बीच-बाजार हुई इस वारदात के बाद हड़कंप मच गया। जहां वारदात हुई, वहां से 250 मीटर दूर ऐनुद्दीनपुर में इरफान का घर था। आसपास के लोगों ने तुरंत परिवार को सूचना दी।

रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने युवक को कार से उड़ाया

कानपुर। कानपुर में रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने नशे की हालत में फास्ट फूड दुकानदार को कार से टक्कर मार दी। उसे बोनट पर फंसाकर करीब 50 मीटर तक घसीटता ले गया। घटना 4 अप्रैल को चकेरी के सजारी की है, इसका वीडियो सामने आया है। भाई मनीष पांडेय ने बताया कि कार ड्राइवर पहले गाली-गलौज कर रहा था। विरोध करने पर उसने कार मोड़कर वहां मौजूद लोगों को कुचलने की कोशिश की।

महीनाभर बाद भी नहीं बनी ग्रीन कॉरिडोर की सड़क

लखनऊ में रक्षामंत्री के उद्घाटन के बाद धंसी थी

- सड़क के इस हिस्से को धंसाव के बाद लीकेज ठीक कर गड्ढा भर दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। ग्रीन कॉरिडोर की सड़क को धंसने के बाद 1 महीना बीत चुका है लेकिन अभी तक उसकी मरम्मत नहीं की गई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के 2 दिन बाद बीरबल साहनी मार्ग पर पेयजल लाइन की लीकेज से कॉरिडोर की सड़क धंस गई थी। लीकेज ठीक कर गड्ढा भर दिया गया, लेकिन सड़क दोबारा नहीं बनाई गई। टूटी सड़क पर 5 से 7 मीटर तक बजरी फैली है, जिससे रोजाना दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। एलडीए उपाध्यक्ष ने 17 मई को 4 सदस्यीय जांच कमेटी बनाई थी, जिसे एक हफ्ते में रिपोर्ट देनी थी। एक महीने बाद भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

हनुमान सेतु से निशातगंज जाने वाले और न्यू हैदराबाद कॉलोनी से कॉरिडोर पर चढ़ने वाली जगह पर बजरी बिखरी हुई है। यहां से कॉरिडोर पर एंट्री करने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। बता दें कि ग्रीन कॉरिडोर 1220 करोड़ रुपए से बनाया गया था। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इंजीनियर अतुल मिश्रा पर नाराजगी जताते हुए सड़क जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए थे।

हाथ बंधे हुए, सिर पर गहरी चोट, लोगों ने पहचानने से इन्कार किया

खून से सनी महिला की लाश मिली

- डेडबॉडी के पास हाई प्लास्टिक का पाइप और कुछ इंटरलॉकिंग ईंट पड़ी हैं।
- महिला के दोनों हाथ किसी पतली चीज से बांधे गए हैं। हाथों पर चोट के नीले निशान पड़े हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के काकोरी में गुरुवार सुबह एक महिला की खून से सनी लाश मिली। लाश के हाथ बंधे हुए हैं। सिर पर चोट के निशान हैं। लाश पर एक कपड़ा डाला हुआ है जिस पर खून ही खून है। गांववालों ने डेडबॉडी को पहचानने से इन्कार कर दिया। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त कराई जा रही है। डेडबॉडी मदारपुर-पुरैना मार्ग पर मदारपुर गांव के बाहर सड़क किनारे खुले मैदान में पड़ी थी।

सिर और शरीर पर चोट, कपड़े अस्त-व्यस्त

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला के सिर और शरीर पर गहरे चोट के निशान हैं। घटनास्थल के आसपास महिला के कपड़े भी अस्त-व्यस्त हालत में बिखरे मिले, जिससे लगता है कि उसकी हत्या की गई है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। मृतका की पहचान नहीं हो सकी। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

हाथों पर चोट के नीले निशान

महिला के हाथों पर चोट के नीले निशान पड़े हुए हैं। डेडबॉडी जहां पर पड़ी है उसके आसपास ईंट और हार्ड प्लास्टिक का एक पाइप पड़ा है। लोगों का कहना है कि हो सकता है महिला को इसी पाइप से पीटा गया हो क्योंकि हाथ पर बने नीले निशान इसके हो सकते हैं। इसके अलावा, डेडबॉडी के आसपास खून से सने पैर के चलने के निशान भी बने हैं। इससे आशंका है कि महिला को जब मारा-पीटा जा रहा था तो उसने काफी संघर्ष किया।

पड़ोसी जिले और लखनऊ के सभी थानों में भेजी सूचना

डीसीपी वेस्ट (पश्चिमी पुलिस उपायुक्त) कमलेश दीक्षित ने कहा- मोहान रोड पर इब्राहिमगंज से पुरैना गांव की ओर जाने वाली सड़क पर अज्ञात महिला की डेडबॉडी मिली। उस-के सिर पर चोट के निशान हैं। शरीर पर कई जगह नीले निशान पड़े हैं।

> डीसीपी वेस्ट (पश्चिमी पुलिस उपायुक्त) कमलेश दीक्षित ने कहा- मोहान रोड पर इब्राहिमगंज से पुरैना गांव की ओर जाने वाली सड़क पर अज्ञात महिला की डेडबॉडी मिली। उस-के सिर पर चोट के निशान हैं।

9वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप

गोरखपुर। गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ 10 लोगों ने रेप किया। एक नवंबर को सुबह 9 बजे छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर ढूंढा। फिर 7 नवंबर को थाने में गुमशुदी दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। 23 मार्च को छात्रा को पुलिस ने बरामद कर लिया। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि एक युवक के बहकावे में वो चली गई थी। इसके बाद उसके साथ कई होटलों में अलग-अलग दिन 10 लोगों ने रेप किया। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने छात्रा को भगाने के आरोपी एक युवक को पकड़ा। इसके बाद होटल संचालक सहित 10 लोगों को हिरासत में लिया। बुधवार को 4 आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। घटना चौरीचौरा थाना क्षेत्र की है। चौरीचौरा इलाके की रहने वाली 14 साल की छात्रा कक्षा 9 में पढ़ती है। छात्रा के पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर 2025 को छात्रा सुबह 9 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में उसका जाने वाला ऑटो चालक मनीष राजभर (उर्फ मोनू) मिल गया। उसने छात्रा को ऑटो में बैठाकर एक निर्माणाधीन मकान में ले गया। वहां पर उसने रेप किया। थोड़ी देर बाद वहां मोनू के दोस्त समीर उर्फ दिलशाद और किशन उर्फ बिट्टू आ गया। उन दोनों ने भी रेप किया। इधर, छात्रा के घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो गए। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजन थाने पहुंचकर 7 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद तीनों छात्रा को सड़क पर छोड़कर चले गए। छात्रा घर न जाकर रामगढ़ताल चली गई। वहां काफी देर तक परेशानी हालत में बैठी रही। इसी दौरान उसकी मुलाकात के युवक से युवक से गई। युवक उसे बहला फुसलाकर अपने घर ले गया। करीब 1 महीने तक वह अपने घर पर छात्रा को रखा। इस दौरान उससे रेप करता रहा। उसके दो और दोस्तों ने भी रेप किया। छात्रा डर के कारण उस घर में ही रहती रही। इसी बीच वह फिर ऑटो चालक के संपर्क में आ गई, जिसने उसे अपने साथ ले लिया। करीब 4 महीने तक छात्रा के साथ 10 लोगों ने रेप किया। परिजन लगातार पुलिस पर अपनी बेटी को ढूंढने का दबाव बनाते रहे। मार्च में पुलिस को छात्रा का लोकेशन मिला, जिसके बाद 23 मार्च को उसे ढूंढकर परिजनों के पास लाया गया। परिजनों के सामने ही छात्रा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में विस्तार से बताया। उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

9वीं की छात्रा के साथ रेप

अलग-अलग होटलों में 10 लोगों ने की हैवानियत, 4 महीने पहले हुई थी लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

घटना : परीक्षा खत्म होने के बाद दोस्तों के साथ गया था, मां बोलीं- हत्या हुई है, जांच हो

नोएडा एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र की गड्ढे में डूबकर मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में एमिटी यूनिवर्सिटी के 23 साल के छात्र हर्षित भट्ट की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद हर्षित अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान वह गड्ढे में उतर गया। वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। 20 मिनट बाद पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और हर्षित को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डीसीपी साद मियां खान ने बताया- हर्षित भट्ट गाजियाबाद के इंदिरानगर का रहने वाला

था। एमिटी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) की पढ़ाई कर रहा था। उसका छठा सेमेस्टर चल रहा था। उसके पिता ललित चंद्रभट भारतीय सेना में टेक्निकल विभाग में हैं। अभी लद्दाख में तैनात हैं। परिवार में एक भाई और एक बहन हैं। नोएडा में इससे पहले 16 जनवरी की रात 27 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता कार समेत करीब

> 66 हर्षित की मां दीप माला ने कहा- मुझे लगता है कि मेरे बच्चे की हत्या हुई है। मैं मॉर्चरी गई थी। मुझे बच्चे को दिखाया गया। उस-के पूरे शरीर पर काले निशान थे। पीठ पर वी-आकार की चोट के निशान थे। मैं मांग करती हूं कि मामले की जांच हो। मेरे बेटे के साथ इन बच्चों ने जो भी किया है, मैं नहीं चाहती कि ये लोग जेल से छूटें। मेरा घर उजाड़ दिया।

30 फीट गहरे गड्ढे में गिर गए थे। उसकी जान चली गई थी।

परीक्षा के बाद पिकनिक मनाने पहुंचे थे

डीसीपी ने बताया कि बुधवार को चारों छात्रों का एग्जाम था। परीक्षा के बाद वे खाली प्लॉट पिकनिक मनाने पहुंचे। वहां नहाने के लिए गड्ढे में उतर गए। पूछताछ में साथियों ने बताया कि वे पहले भी इस गड्ढे में नहा चुके थे, लेकिन इस बार हर्षित ज्यादा अंदर चला गया और डूबने लगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

विधानसभा ...

इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने EVM तोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा समर्थकों ने आपस में हाथापाई शुरू कर दी। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। नगालैंड के कोरिडांग विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 3 बजे तक 75.06% वोटिंग हुई। वहीं त्रिपुरा के धर्मनगर में 70.09% मतदाताओं ने वोट डाले। कर्नाटक में बागलकोट और दावणगेरे साउथ में क्रमशः 54.82% और 49.66% वोटिंग हुई। ये चुनाव मौजूदा विधायकों के निधन के कारण खाली हुई सीटों पर कराए गए हैं, जिनमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला हो रहा है। असम के खोवांग निर्वाचन क्षेत्र के कुतुहा में चुनाव संबंधी हिंसा की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस टीमें मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। केरलम के कन्नूर में इस मॉडल बूथ को गांधी आश्रम के लोगों ने धागों से सजाया हुआ है... एक हेल्प डेस्क भी बनाई हुई है, जहां पर महिला कर्मचारी मतदाताओं के किसी भी तरह की समस्या समाधान कर रहे हैं।

टीएमसी राज में...

बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। पहली- भय के माहौल में आज लोगों को बार-बार कानून से मदद मांगनी पड़ती है। लेकिन हमारी सरकार में आपको न्याय मिलेगा। दूसरी- सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। तीसरी- घोटाले, दुष्कर्म हर क्राइम की फाइल खुलेगी। चौथी- जिसने भी करप्शन किया है, उसकी जगह जेल में होगी। मंत्री हो या संत्री, जनता का पैसा नहीं खाने देंगे।पां-चवी- जो शरणार्थी हैं, उन्हें सम्मान मिलेगा, जो घुसपैठी हैं, उन्हें खदेड़ा जाएगा। छठवीं- सभी सरकारी कर्मचारियों को इस निर्मम सरकार ने भयभीत करके रखा है। मोदी सरकार आपके साथ खड़ी है। सरकार बनते ही यहां 7वां पे कमीशन लागू करवाएंगे। ये हमारी गारंटी है। इसके साथ ही मैं आपको एक और गारंटी भी देता हूं कि अब तक जिन्होंने प. बंगाल को लूटा है, उन सबका हिसाब होगा। मछुआरों के लिए 5 लाख तक का बीमा BJP सरकार ने दिया। बंगाल में भाजपा सरकार बनने से किसानों, मछुआरों और युवाओं सभी को फायदा होगा।TMC ने माताओं-बहनों का जीवन संकट में डाला है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। बेटियां डॉक्टर या इंजीनियर बनने जाएं, लेकिन वहां भी सुरक्षित नहीं हैं। 4 मई के बाद यह क्रूर TMC सरकार जाएगी और भाजपा सरकार आएगी।

हड़ताली ...

एक पुलिस कर्म इस विवाद के बाद कई कंपनियों के बाहर सैलरी बढ़ाने संबंधी सरकार के ऑर्डर वाले नोटिस चिपका दिए गए। कुछ दिन पहले होंडा कंपनी में सैलरी बढ़ाने को लेकर स्ट्राइक हुई थी। इसके बाद 3 दिन से आधा दर्जन से अधिक बड़ी कंपनियों तक इसकीआंच पहुंच गई। हालांकि होंडा कंपनी के समझौते के बाद काम पर लौट गए। सत्यम, मुंजाल शोवा, रिको और अन्य कंपनियों के कर्मचारी 3 दिन से काम पर लौटने को तैयार नहीं हुए। पुलिस प्रशासन ने कहा कि यहां धारा 163 लागू करते हुए धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। मगर, प्रदर्शनकारी नहीं माने। देर शाम इस मामले में पुलिस ने तोड़फोड़ करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान करने पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है। पुलिस ने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया तो नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की कर पुलिसकर्मियों का मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। कर्मचारियों का कहना था कि यह उनकी हक की लड़ाई है, जो प्रबंधन और उनके बीच का मामला है। पुलिस को बीच में नहीं आना चाहिए और न ही प्रबंधन की तरफदारी करनी चाहिए। उधर, डीसी अजय कुमार ने बीती शाम बयान जारी किया। कहा कि सरकार की तरफ से न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में वृद्धि की गई है। यह एक अप्रैल से लागू मानी जाएगी। बताया कि अकुशल श्रमिकों का वेतन 11275 से बढ़ कर 15220, अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12430 से बढ़ कर 16780 रुपए और कुशल श्रमिकों का वेतन 13704 से बढ़ कर 18500 रुपए किया गया है। उच्च कुशल का वेतन 14389 से बढ़ कर 19425 रुपए हो जाएगा। यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत है।

बिहार- सीने पर...

घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर 2 के पास हुई। बीच सड़क चाकू से गला काटने का 30 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नवी जमीन पर लेटा दिख रहा है। रवि उसकी छाती पर चढ़कर गला रेत रहा है। इस दौरान आते-जाते लोग रास्ता बदल लेते हैं। कुछ भागकर दूर चले जाते हैं, लेकिन कोई उसे रोकने की कोशिश नहीं करता। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, आज सुबह पिकअप ड्राइवर मो. नवी हुसैन रवि कुमार के पास पहुंचा। रवि सत्तू बेचता है। नवी ने रवि से कहा, 'सत्तू वाली कैसी है।' इस पर रवि भड़क गया। दोनों में बहस हुई। इसी बीच रवि ने चाकू निकाल कर नवी के पेट में मार दिया। लोगों का कहना है कि फिर रवि नवी की छाती पर बैठा और उसका गला रेत डाला। हत्या के बाद मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। भीड़ ने आरोपी रवि को पकड़ लिया और उसे बेरहमी से पीटा।

सपा नेता को थैलियम जहर से मारने की कोशिश

वाराणसी में पत्नी ने एफआईआर दर्ज कराई, मुंबई के हिंदुजा अस्पताल ने जहर की पुष्टि की

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सपा नेता को थैलियम जहर देकर मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। मुंबई के एक प्रसिद्ध अस्पताल की डॉक्टर ने सपा नेता के खून में थैलियम के अंश पाए जाने की पुष्टि की है। जांच रिपोर्ट आने के बाद सपा नेता की पत्नी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वाराणसी के कोतवाली थाने में बुधवार को खुशबू सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। सपा नेता संदीप सिंह (41) समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। उनकी पत्नी के अनुसार, फरवरी 2025 में अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मेदांता, गुरुग्राम में भर्ती कराया गया था। हालत में सुधार न होने पर उन्हें मैक्स अस्पताल दिल्ली में भर्ती किया गया। वहां भी फायदा नहीं होने पर उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए मुंबई के पीडी आहूजा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने थैलियम जहर की पुष्टि की।

वाराणसी के रहने वाले संदीप सिंह, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रहे हैं। वह एसएसएस इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड और शिव एंटरप्राइजेज नाम की दो ट्रांसपोर्ट कंपनियों के संचालक भी हैं। ट्रांसपोर्ट कंपनियां कंस्ट्रक्शन वर्क से भी जुड़ी हुई हैं। कंपनी सड़क निर्माण के लिए डामर, गिट्टी आदि का ढुलाई का काम भी करवाती हैं। पत्नी खुशबू सिंह ने बुधवार को पुलिस में की गई शिकायत में बताया कि एक परिचित शिव प्रसाद की तबीयत बिगड़ने के बाद 4 फरवरी 2025 से 11 फरवरी 2025 तक मेरे पति मेदांता अस्पताल गुरुग्राम में रहे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676